भारतीय जनता पार्टी

(केंद्रीय कार्यालय)

6A, दीनदयाल उपाध्याय मार्ग, नई दिल्ली

26 मई 2023, शुक्रवार

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री और भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता श्री अमित शाह की ओर से जारी प्रेस वक्तव्य

आखिर कांग्रेस पार्टी भारतीय परंपराओं और संस्कृति से इतनी नफरत क्यों करती है?

****

भारत की स्वतंत्रता के प्रतीक के रूप में तमिलनाडु के एक पवित्र शैव मठ द्वारा पंडित नेहरू को एक पवित्र सेंगोल (राजदंड) दिया गया था, लेकिन इसे 'वॉकिंग स्टिक' के रूप में एक संग्रहालय में भेज दिया गया।

****

अब कांग्रेस ने एक और शर्मनाक काम किया है। थिरुवदुथुरई अधीनम, जो शैव मत का एक पवित्र मठ है, उन्होंने खुद देश की स्वतंत्रता के वक्त सेंगोल की अहमियत के बारे में बताया था। कांग्रेस अब अधीनम मठ के इतिहास को ही फर्जी करार दे रही है!

****

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री और भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता श्री अमित शाह ने आज कांग्रेस द्वारा सेंगोल के अपमान पर करारा प्रहार करते हुए इसे कांग्रेस के मानसिक दिवालियेपन की पराकाष्ठा बताया। कांग्रेस ने राष्ट्रीय महत्त्व और देश की आजादी से जुड़े एक महत्वपूर्ण तथ्य की अनदेखी करने और उसका अपमान करने का घोर पाप किया है। भारत की महान विरासत और परंपराओं की गहरी समझ रखने वाला व्यक्ति ही यह सुनिश्चित कर सकता था कि इस तरह की महत्वपूर्ण घटना को इतिहास में उचित स्थान दिया जाए जैसा कि आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने किया है। आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने आजादी के प्रतीक के तौर पर 1947 में देश के प्रथम प्रधानमंत्री को सौंपे गए सत्ता हस्तांतरण की प्रतीक सेंगोल को नई संसद में रखे जाने का निर्णय लिया है जोकि अत्यंत प्रशंसनीय है।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने ट्वीट करते हुए कहा कि **अब कांग्रेस ने एक और शर्मनाक काम किया है। थिरुवदुथुरई अधीनम, जो शैव मत का एक पवित्र मठ है, उन्होंने खुद देश की स्वतंत्रता के वक्त सेंगोल की अहमियत के बारे में बताया था। कांग्रेस अब अधीनम मठ के इतिहास को ही फर्जी करार दे रही है!** कांग्रेस को अपने व्यवहार पर विचार करना चाहिए।

श्री शाह ने एक और ट्वीट में लिखा कि **आखिर कांग्रेस पार्टी भारतीय परंपराओं और संस्कृति से इतनी नफरत क्यों करती है? भारत की स्वतंत्रता के प्रतीक के रूप में तमिलनाडु के एक पवित्र शैव मठ द्वारा पंडित नेहरू को एक पवित्र सेंगोल (राजदंड) दिया गया था, लेकिन इसे 'वॉकिंग स्टिक' के रूप में एक संग्रहालय में भेज दिया गया।**

ज्ञात हो कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने दावा किया था कि इस बात का कोई दस्तावेजी सबूत नहीं है कि माउंटबेटन, सी राजगोपालाचारी और पंडित नेहरू ने सेंगोल को सत्ता हस्तांतरण का प्रतीक कहा था।

Tweets:

- https://twitter.com/amitshah/status/1661980050957406209
- https://twitter.com/amitshah/status/1661979859206422528

****